भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4075

जिसका उत्तर सोमवार, 18 अगस्त, 2025/27 श्रावण, 1947 (शक) को दिया गया

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा जुटाई गई पूंजी

4075. श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक बाजार से पूंजी जुटाने में सक्षम हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) देश में ऋण संवितरण बढ़ाने के लिए बैंकों द्वारा इन निधियों का उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) से (ग): सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) समय-समय पर अपनी पूंजी आवश्यकता को पूरा करने के लिए बाजार से पूंजी जुटाते हैं। पीएसबी की सुदृढ़ वित्तीय मजबूती ने निवेशकों के विश्वास को बढ़ाया है, जिससे वे बाजार से पूंजी जुटाने में सक्षम हुए है।

बैंक इक्विटी, बेसल III के अनुरूप अतिरिक्त टियर-I और टियर-II बॉन्ड के रूप में बाजार से पूंजी जुटाते हैं। पिछले तीन वित्तीय वर्षों (वित्तीय वर्ष 2022-23 से वित्तीय वर्ष 2024-25) के दौरान इक्विटी और बॉन्ड दोनों के रूप में पीएसबी द्वारा जुटाई गई पूंजी की कुल राशि 1,53,978 करोड़ रुपये (वित्तीय वर्ष 2022-23 में 44,942 करोड़ रुपये, वित्तीय वर्ष 2023-24 में 57,380 करोड़ रुपये और वित्तीय वर्ष 2024-25 में 51,656 करोड़ रुपये) है।

बैंकों द्वारा नई पूंजी जुटाने का उपयोग विभिन्न प्रयोजनों के लिए किया जाता है, जिसमें, *अन्य बातों के साथ-साथ*, ऋण वृद्धि का समर्थन करने के लिए बैंकों की पूंजीगत आवश्यकताओं को पूरा करना, पूंजी पर्याप्तता के लिए विनियामक अपेक्षाओं को पूरा करना, सार्वजनिक शेयरधारिता में वृद्धि करके न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता मानदण्डों का अनुपालन करना, कॉल ऑप्शन का प्रयोग करने के लिए देय एटी-I बॉन्डो की पुन: पूर्ति करना, बैंक की समग्र पूंजी स्थिति को सुदृढ़ करना और उनकी भविष्य की व्यावसायिक आवश्यकताओं के लिए पूंजी बफर बनाना शामिल है।

******